उत्तराखंड के 5 विश्वविद्यालयों और 104 महाविद्यालयों में अब 'ई-ग्रंथालय', 35 लाख पुस्तकें ऑनलाइन है उपलब्ध

ई-ग्रंथालय के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित बेहतर तैयारी के लिए पिछले 10 वर्षों का क्वेश्चन बैंक भी उपलब्ध कराया जाएगा.

Updated: July 1, 2020 8:28 PM IST
By India.com Hindi News DeskEmail**Edited by** Munna KumarEmail

E-Granthalaya: छात्रों की पढाई में सुगमता के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में 'ई-ग्रंथालय' की शुरूआत की. प्रदेश के पांच विश्वविद्यालय एवं 104 महाविद्यालय इस ई-ग्रंथालय से जुड़ चुके हैं और इसमें 35 लाख पुस्तकें ऑनलाइन उपलब्ध हैं.

यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, इसके तहत सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को एक पोर्टल से जोड़ा जा रहा है और यदि किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में कोई पुस्तक उपलब्ध न हो तो विद्यार्थी उसे ई-ग्रन्थालय के माध्यम से तलाश सकता है. एक अनुमान के अनुसार, इससे ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को अध्ययन में सुविधा होगी.

इस शिक्षा सत्र में विद्यार्थियों के लिए ई-ग्रंथालय को बड़ी सौगात बताते हुए मुख्यमंत्री रावत ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि ई-ग्रंथालय के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित बेहतर तैयारी के लिए पिछले 10 वर्षों का क्वेश्चन बैंक भी उपलब्ध कराया जाए. कोविड-19 की महामारी के दौर में तकनीक को बढावा देने की जरूरत पर बल देते हुए रावत ने कहा कि ई-ग्रंथालय से विद्यार्थियों को समग्र जानकारियां उपलब्ध होंगी. उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है जहां प्रत्येक कॉलेज को ई-ग्रंथालय से जोड़ा गया है.

BW EDUCATION

5 Universities, 104 Colleges Connected Through 'e-Granthalaya' In Uttarakhand

Chief Minister Rawat instructed the officers that question papers of the last 10 years of competitive examinations should also be made available through e-library.

Uttarakhand Chief Minister Trivendra Singh Rawat on Wednesday inaugurated "e-Granthalaya" (e-library) for connecting libraries of state government universities and colleges.

As per an official release of the Chief Minister's Office (CMO), five universities and 104 colleges in the state have been connected with e-library during the launch. "If a book is not available in any particular university or college, then by joining e-library, it will be easier for the students to study all the available books on the library portal. As many as 35 lakh books are available to the students through the e-library and over 2.5 lakhs students will be associated with it," reads the release.

Chief Minister Rawat instructed the officers that question papers of the last 10 years of competitive examinations should also be made available through e-library so that it can help them in their preparation for competitive exams.

"A documentary should also be made available on the e-library portal so that children of agriculture, horticulture and other fields can get good information. In the plain districts, people have a good knowledge of agriculture and horticulture, but in the hill districts, we have to pay special attention in this direction," he advised officials.

State Higher Education Minister Dr Dhan Singh Rawat said that it is a matter of pride for the state four institutions of Uttarakhand have got a place in the University Grant Commission (UGC)'s list of top 100 colleges in the country and through e-library, we aim to get more number of institutions in the list.

BW EDUCATION

5 Universities, 104 Colleges Connected Through 'e-Granthalaya' In Uttarakhand

Chief Minister Rawat instructed the officers that question papers of the last 10 years of competitive examinations should also be made available through e-library.

Uttarakhand Chief Minister Trivendra Singh Rawat on Wednesday inaugurated "e-Granthalaya" (e-library) for connecting libraries of state government universities and colleges.

As per an official release of the Chief Minister's Office (CMO), five universities and 104 colleges in the state have been connected with e-library during the launch. "If a book is not available in any particular university or college, then by joining e-library, it will be easier for the students to study all the available books on the library portal. As many as

35 lakh books are available to the students through the e-library and over 2.5 lakhs students will be associated with it," reads the release.

Chief Minister Rawat instructed the officers that question papers of the last 10 years of competitive examinations should also be made available through e-library so that it can help them in their preparation for competitive exams.

"A documentary should also be made available on the e-library portal so that children of agriculture, horticulture and other fields can get good information. In the plain districts, people have a good knowledge of agriculture and horticulture, but in the hill districts, we have to pay special attention in this direction," he advised officials.

State Higher Education Minister Dr Dhan Singh Rawat said that it is a matter of pride for the state four institutions of Uttarakhand have got a place in the University Grant Commission (UGC)'s list of top 100 colleges in the country and through e-library, we aim to get more number of institutions in the list.

संजीवनी टुडे
SAMAY KE SATH BADHTA AKHABAR

CM ने किया शासकीय विवि एवं महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में 'ई-ग्रंथालय' का शुभारम्भ

संजीवनी टुडे 01-07-2020 15:10:22

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को सचिवालय से राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में ई-ग्रंथालय का शुभारम्भ किया।

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को सचिवालय से राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में ''ई-ग्रंथालय'' का शुभारम्भ किया।

प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों एवं 104 महाविद्यालय ई-ग्रंथालय से जुड़ चुके हैं। ई-ग्रन्थालय से लाइब्रेरी का मैनेजमेंट सिस्टम डिजिटल प्रारूप पर होगा। इससे शिक्षकों, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को शिक्षण कार्य में काफी सुगमता होगी। सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को एक पोर्टल से जोड़ा जा रहा है। यदि किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में कोई पुस्तक उपलब्ध न हो तो, इनके एक ही पोर्टल पर जुड़ने से ई-ग्रन्थालय के माध्यम से विद्यार्थियों सभी पुस्तकों का अध्ययन करने में सरलता रहेगी।

ई-ग्रन्थालय के माध्यम से विद्यार्थियों को 35 लाख पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। इससे ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राएं इससे जुड़ेंगे। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

जागरण

छात्रों को ऑनलाइन मिलेंगी 35 लाख किताबें: त्रिवेंद्र

Publish Date:Wed, 01 Jul 2020 07:35 PM (IST)

प्रदेश के पांच सरकारी विश्वविद्यालय और 104 डिग्री कॉलेज ई-ग्रंथालय से जुड़ गए हैं।

राज्य ब्यूरो, देहरादून

प्रदेश के पांच सरकारी विश्वविद्यालय और 104 डिग्री कॉलेज ई-ग्रंथालय से जुड़ गए हैं। इसके माध्यम से राज्य के ढाई लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 35 लाख पुस्तकें उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बुधवार को सचिवालय में विश्वविद्यालयों व डिग्री कॉलेजों के पुस्तकालयों के लिए ई-ग्रंथालय योजना को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने ई-ग्रंथालय के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं के 10 वर्ष के प्रश्न बैंक उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि इस समय पूरा विश्व कोविड-19 महामारी के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में ई-ग्रंथालय विद्यार्थियों के लिए बड़ी सौगात है। समय की मांग के अनुरूप हमें तकनीक को बढ़ावा देना होगा। एक ही पोर्टल से जुड़ने के कारण विद्यार्थियों को ज्यादा पुस्तकों का अध्ययन करने की सुविधा मिलेगी। इस योजना का लाभ छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी मिले, इस दिशा में गंभीरता से प्रयास किए जाएं। कृषि, बागवानी और अन्य क्षेत्रों की अच्छी जानकारी विद्यार्थियों को देने के लिए डॉक्यूमेंट्री बनाई जाए। इससे पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं का फायदा मिले और वे मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का अधिक लाभ उठाने को प्रेरित होने चाहिए।

प्रत्येक कॉलेज ई-ग्रंथालय से जुड़ा

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जहां प्रत्येक कॉलेज को ई-ग्रंथालय से जोड़ा गया है। इससे पुस्तकालय का मैनेजमेंट सिस्टम डिजिटल प्रारूप पर होगा। यूजीसी की रैंकिंग के मुताबिक राज्य के चार संस्थानों ने टॉप-100 में स्थान पाया है, यह गौरव की बात है। उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार को सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पद भरे जा रहे हैं। 877 पदों में से 527 नवनियुक्त शिक्षक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं। लॉकडाउन में ऑनलाइन पढ़ाई के सकारात्मक परिणाम रहे हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री के आइटी सलाहकार रविंद्र दत्त, उच्च शिक्षा प्रमुख सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव आरके सुधांशु, अशोक कुमार, विनोद रतूड़ी, अपर सचिव डॉ अहमद इकबाल, उच्च शिक्षा निदेशक डॉ कुमकुम रौतेला एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्वविद्यालयों के कुलपति व कॉलेजों के प्राचार्य जुड़े हुए थे।

NEWS18 UTTARAKHAND

अब लाखों विद्यार्थी एक साथ पढ़ सकेंगे एक ही किताब, CM ने किया 35 लाख किताबों वाले ई-ग्रंथालय का उद्घाटन

Dehradun News in Hindi

उत्तराखण्ड (Uttarakhand) देश का पहला राज्य है, जहां प्रत्येक कॉलेज को ई-ग्रंथालय से जोड़ा गया है. जबकि यह डिजिटल इंडिया और डिजिटल एजुकेशन की दिशा में बड़ा कदम माना जा सकता है.

NEWS18

- NEWS18HINDI
- LAST UPDATED: JULY 1, 2020, 4:54 PM IST

राजेश डोबरियाल

देहरादून. उत्तराखंड के सरकारी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लिए अब 35 लाख किताबें एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी. राज्य के पांच विश्वविद्यालयों और 104 कॉलेजों को इसका सीधा फ़ायदा मिल सकेगा. आज मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की लाइब्रेरी के लिए ई-ग्रंथालय को लॉन्च किया. प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को इस पोर्टल से जोड़ा जा रहा है. इसके माध्यम से कॉलेज छात्र-छात्राएं और शिक्षक वह पुस्तकें भी पढ़ पाएंगे जो उनकी लाइब्रेरी में उपलब्ध नहीं हैं और ई-ग्रंथालय में हैं. माना जा रहा है कि ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को इससे फ़ायदा होगा.

ऐसे करेगा काम

डिजिटल इंडिया और डिजिटल एजुकेशन की दिशा में ई-ग्रंथालय बड़ा कदम माना जा सकता है. मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार रविंद्र दत्त पेटवाल के अनुसार ई-ग्रंथालय के तहत सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेज की लायब्रेरी इस डिजिटल लायब्रेरी का इस्तेमाल करने के अधिकार दिए गए हैं. स्थानीय स्तर पर लायब्रेरी विद्यार्थियों को लॉगिन करने के अधिकार देंगीं. इसे आप रोल नंबर की तरह मान सकते हैं. अपनी-अपनी लॉगिन आईडी से छात्र-छात्राएं ई-ग्रंथालय से अपनी ज़रूरत और पसंद की किताबें पढ़ सकेंगे, वह भी अपनी सुविधा से अपने समय और स्थान पर.
पेटवाल बताते हैं कि डिजिटल लायब्रेरी से सबसे बड़ा फ़ायदा यह होगा कि लाखों छात्र-छात्राएं या शिक्षक एक ही समय में एक किताब पढ़ पाएंगे. पारंपरिक लायब्रेरी की तरह इश्यू करवाई गई किताब के लौटाए जाने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं रह जाएगी.

लेकिन दूरदराज के इलाक़ों में इंटरनेट कनेक्टिविटि की दिक्कत क्या ई-ग्रंथालय तक पहुंच को सीमित नहीं कर देगी? इस सवाल के जवाब में पेटवाल कहते हैं कि अभी तो किताबें ऑनलाइन ही उपलब्ध करवाई जा रही हैं लेकिन जल्द ही ई-बुक्स भी इसमें शामिल की जाएंगी जिन्हें डाउनलोड

किया जा सकेगा और छात्र-छात्राएं उन्हें ऑफलाइन भी पढ़ सकेंगे.

प्रतियोगी परीक्षाओं के क्वेश्चन बैंक भी मिलें

ई-ग्रंथालय का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-ग्रंथालय के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं का पिछले 10 वर्षों का क्वेश्चन बैंक भी उपलब्ध कराया जाए ताकि छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अच्छा आधार मिल सके.

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि, बागवानी और अन्य क्षेत्रों की बच्चों को अच्छी जानकारी प्राप्त हो सके, इसके लिए डॉक्यूमेंटरी बनाई जाएं. मैदानी जनपदों में लोगों को कृषि एवं बागवानी की अच्छी जानकारी होती है, लेकिन पर्वतीय जनपदों में हमें इस दिशा में विशेष ध्यान देना होगा. ई-ग्रंथालय के शुभारम्भ से विद्यार्थियों को समग्र जानकारियां उपलब्ध होंगी. उन्होंने कहा कि इस दिशा में और क्या प्रयास हो सकते हैं, इस दिशा में विचार करने की जरूरत है.

हर कॉलेज ई-ग्रन्थालय से जुड़ा

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉक्टर धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है, जहां प्रत्येक कॉलेज को ई-ग्रंथालय से जोड़ा गया है. लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों द्वारा ऑनलाइन शिक्षण का कार्य किया गया. इसके काफी सकारात्मक परिणाम रहे. उन्होंने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि यूजीसी की रैंकिंग के अनुसार उत्तराखण्ड के चार संस्थानों ने टॉप 100 में स्थान पाया है.

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि गुणात्मक सुधार के लिए सभी महाविद्यालयों में प्राचार्य के पद भरे गए हैं. विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 92 प्रतिशत फैकल्टी है. प्रदेश में 877 असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती निकाली गई, जिसमें से 527 असिस्टेंट प्रोफेसर ज्वाइन कर चुके हैं, शेष पदों पर भर्ती प्रक्रिया गतिमान है.

Mirror Uttarakhand
नज़र उत्तराखंड की ...

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को सचिवालय से राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में "ई-ग्रंथालय" का शुभारम्भ किया। प्रदेश के 05 विश्वविद्यालय एवं 104 महाविद्यालय ई-ग्रंथालय से जुड़ चुके हैं। ई-ग्रन्थालय से लाइब्रेरी का मैनेजमेंट सिस्टम डिजिटल प्रारूप पर होगा। इससे शिक्षकों, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को शिक्षण कार्य में काफी सुगमता होगी।

ई-ग्रन्थालय से 35 लाख पुस्तकें ऑनलाईन उपलब्ध

सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को एक पोर्टल से जोड़ा जा रहा है। यदि किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में कोई पुस्तक उपलब्ध न हो तो, इनके एक ही पोर्टल पर जुड़ने से ई-ग्रन्थालय के माध्यम से विद्यार्थियों सभी पुस्तकों का अध्ययन करने में सरलता रहेगी। ई-ग्रन्थालय के माध्यम से विद्यार्थियों को 35 लाख पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। जिससे ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राएं इससे जुड़ेगे।

कृषि व बागवानी पर डाक्यूमेंट्री भी उपलब्ध हो

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि इस शिक्षा सत्र में विद्यार्थियों के लिए ई-ग्रंथालय बड़ी सौगात है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि ई-ग्रंथालय के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की पिछले 10 वर्षों का क्वेशन बैंक भी उपलब्ध कराया जाय। जिससे उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अच्छा आधार मिल सके। यह समय विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि, बागवानी और अन्य क्षेत्रों की बच्चों को अच्छी जानकारी प्राप्त हो सके, इसके लिए डोक्यूमेंटरी बनाई जाय। मैदानी जनपदों में लोगों को कृषि एवं बागवानी की अच्छी जानकारी होती है, लेकिन पर्वतीय जनपदों में हमें इस दिशा में विशेष ध्यान देना होगा। प्रदेश में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना प्रारम्भ की गई। इससे लोगों को कैसे अधिक से अधिक फायदा हो सकते है, इस पर भी और प्रयासों की जरूरत है।

तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाए

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि इस समय पूरा विश्व कोविड-19 की महामारी के दौर से गुजर रहा है। हमें समय की मांग के अनुसार तकनीक को बढ़ावा देना होगा। आधुनिक तकनीक के माध्यम से हम आपसी दूरियों को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा कोविड के दौरान तकनीक के अधिक से अधिक उपयोग करने का सराहनीय प्रयास किया गया है। ई-

ग्रंथालय के शुभारम्भ से विद्यार्थियों को समग्र जानकारियां उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इस दिशा में और क्या प्रयास हो सकते हैं, इस दिशा में विचार करने की जरूरत है।

राज्य का प्रत्येक काॅलेज ई-ग्रन्थालय से जुड़ा

उच्च शिक्षा मंत्री डाॅ. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है, जहां प्रत्येक काॅलेज को ई-ग्रंथालय से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी की घोषणा एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को ई-ग्रंथालय से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि यूजीसी की रैंकिंग के अनुसार उत्तराखण्ड के चार संस्थानों ने टाॅप 100 में स्थान पाया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार के लिए सभी महाविद्यालयों में प्राचार्य के पद भरे गये है। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 92 प्रतिशत फैकल्टी है। प्रदेश में 877 असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती निकाली गई, जिसमें से 527 असिस्टेंट प्रोफेसर ज्वाइन कर चुके हैं, शेष पदों पर भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। लाॅकडाउन के दौरान विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों द्वारा आनलाईन शिक्षण का कार्य किया गया। इसके काफी सकारात्मक परिणाम रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के आईटी सलाहकार रविन्द्र दत्त, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा डाॅ. आनन्द बर्द्धन, सचिव आर. के सुधांशु, अशोक कुमार, विनोद रतूड़ी, अपर सचिव उच्च शिक्षा डाॅ. अहमद इकबाल, निदेशक उच्च शिक्षा डाॅ. कुमकुम रौतेला एवं वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य जुड़े थे

जागरण

स्टेट डेटा सेंटर में रहेगा ई-ग्रंथालय का डेटा

Publish Date:Fri, 19 Jun 2020 10:11 PM (IST)

प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों में ई-ग्रंथालय की स्थापना को पहला चरण पूरा करने की दिशा में उच्च शिक्षा महकमे के कदम बढ़ गए हैं।

राज्य ब्यूरो, देहरादून

प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों में ई-ग्रंथालय की स्थापना को पहला चरण पूरा करने की दिशा में उच्च शिक्षा महकमे के कदम बढ़ गए हैं। कॉलेजों की किताबों की ग्रंथालय में एंट्री करने का काम एनआइसी दिल्ली ने प्रारंभ कर दिया है। इसके बाद उक्त किताबों को ई-कंटेंट का रूप देकर ई-प्लेटफार्म पर लाया जाएगा। ई-ग्रंथालय का पूरा डेटा आइटीडीए स्थित स्टेट डेटा सेंटर में रहेगा।

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ धन सिंह रावत प्रदेश के सभी 106 सरकारी डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ई-लाइब्रेरी के रूप में ई-ग्रंथालय की स्थापना 25 जून तक करने के निर्देश दे चुके हैं। उच्च शिक्षा अपर सचिव डॉ अहमद इकबाल ने शुक्रवार को वेबिनार के माध्यम से ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर से कॉलेजों को जोड़ने की कार्यवाही की समीक्षा की। एनआइसी दिल्ली के पास ई-ग्रंथालय की स्थापना का जिम्मा है। महकमे की ओर से इस कार्य के लिए प्रति कॉलेज 21275 रुपये बतौर पंजीकरण फीस एनआइसी को मुहैया कराई जा चुकी है।

जमीन के नाम पर सिपाही से पौने नौ लाख की ठगी Dehradun News
यह भी पढ़ें

पहले चरण में प्रदेश के 70 से 80 सरकारी डिग्री कॉलेजों में ई-ग्रंथालय शुरू होगा। यह कार्य तीन चरणों में पूरा होगा। तीसरे व अंतिम चरण के रूप में ई-कंटेंट के रूप में सामग्री को नेशनल लाइब्रेरी से जोड़ा जाएगा। ई-ग्रंथालय के मद्देनजर उच्च शिक्षा निदेशालय एवं विश्वविद्यालयों की वेबसाइटों को अपडेट करते हुए नियमित संचालित करने के निर्देश उच्च शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ धन सिंह रावत ने दिए हैं।